
Shiva Ashtakam

श्रीशिवाष्टकम्

Document Information

Text title : shivaaShTakam 2

File name : shivaaShTakam.itx

Category : aShTaka, shiva

Location : doc_shiva

Author : Traditional

Transliterated by : Ravin Bhalekar ravibhalekar at hotmail.com

Proofread by : Ravin Bhalekar ravibhalekar at hotmail.com

Latest update : September 25, 2004

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

January 7, 2022

sanskritdocuments.org

श्रीशिवाष्टकम्



श्रीगणेशाय नमः ।

प्रभुमीशमनीशमशेषगुणं गुणहीनमहीश-गलाभरणम् ।

रण-निर्जित-दुर्जयदैत्यपुरं प्रणमामिशिवं शिवकल्पतरुम् ॥ १ ॥

गिरिराज सुतान्वित-वाम तनुं तनु-निन्दित-राजित-कोटीविधुम् ।

विधि-विष्णु-शिवस्तुत-पादयुगं प्रणमामिशिवं शिवकल्पतरुम् ॥ २ ॥

शशिलाञ्छित-रञ्जित-सन्मुकुटं कटिलम्बित-सुन्दर-कृत्तिपटम् ।

सुरशैवलिनी-कृत-पूतजटं प्रणमामिशिवं शिवकल्पतरुम् ॥ ३ ॥

नयनत्रय-भूषित-चारुमुखं मुखपद्म-पराजित-कोटिविधुम् ।

विधु-खण्ड-विमण्डित-भालतटं प्रणमामिशिवं शिवकल्पतरुम् ॥ ४ ॥

वृषराज-निकेतनमादिगुरुं गरलाशनमाजि विषाणधरम् ।

प्रमथाधिप-सेवक-रञ्जनकं प्रणमामिशिवं शिवकल्पतरुम् ॥ ५ ॥

मकरध्वज-मत्तमतङ्गहरं करिचर्मगनाग-विबोधकरम् ।

वरदाभय-शूलविषाण-धरं प्रणमामिशिवं शिवकल्पतरुम् ॥ ६ ॥

जगद्गुद्गव-पालन-नाशकरं कृपयैव पुनस्त्रय रूपधरम् ।

प्रिय मानव-साधुजनैकगतिं प्रणमामिशिवं शिवकल्पतरुम् ॥ ७ ॥

न दत्तन्तु पुष्पं सदा पाप चित्तैः पुनर्जन्म दुःखात् परित्राहि शम्भो ।

भजतोऽखिल दुःख समूह हरं प्रणमामिशिवं शिवकल्पतरुम् ॥ ८ ॥

॥ इति शिवाष्टकं सम्पूर्णम् ॥



Shiva Ashtakam

pdf was typeset on January 7, 2022



Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

